लेबनान के मिसाइल हमले में एक भारतीय की मौत, दो घायल

तेलअवीव। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग में कई निर्दोष भी मारे जा रहे हैं। सोमवार को लेबनान ने एक एंटी-टैंक मिसाइल दाग दी जिसमें एक भारतीय की मौत हुई है और दो लोग घायल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के उत्तरी सीमावर्ती समुदाय मार्गालियट के पास एक बगीचे में लेबनान की तरफ से दागी गई मिसाइल के गिरने से केरल के एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और अन्य दो घायल हो गए हैं। उत्तरी इजराइल में लेबनान में हिजबुल्लाह आतंकवादियों के टैंक रोधी मिसाइल हमले में सोमवार को एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। इजराइल के चैनल 12 टीवी समाचार के अनुसार, मिसाइल ने मार्गालियट समुदाय के एक बगीचे में हमला किया,जिसकी चपेट में आठ भारतीय श्रमिक आ गए। इजरायल की मैगन डेविड एडोम की बचाव सेवा ने एक बयान में कहा कि इस हमले में दो भारतीय नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और अन्य को हल्की चोटें आई हैं। उन्हें वायु सेना के हेलीकॉप्टरों से अस्पतालों में पहुंचाया गया है। इजराइली सैन्य प्रवक्ता के अनुसार, इजराइली सेना ने इस मिसाइल हमले का टैंक और तोपखाने से गोलाबारी बरसाकर मुंहतोड़ जवाब दिया है।

यूएन की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा : हमास ने बंधकों के साथ किया दुष्कर्म

तेलअवीव। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग को लेकर यूएन ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमास बंधकों के साथ न केवल दुष्कर्म किया है बल्कि उन्हे मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना भी दी है। दावा किया गया है कि 7 अक्टूबर को हुए हमलों के दौरान कई बलात्कार भी हुए थे। इतना ही नहीं साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा ले जाए गए बंधकों के साथ भी रेप किया गया था। बता दें कि फिलिस्तीनी समूह हमास के लड़ाकों ने इजरायल पर हमला कर जंग शुरु की थी,तभी से दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष जारी है। मीडिया रिपोर्टर्स के अनुसार, संघर्ष में यौन हिंसा पर यूएन की विशेष प्रतिनिधि प्रमिला पैटन ने इजरायल और वेस्ट बैंक का दौरा किया था। वह फरवरी में करीब ढाई सप्ताह के लिए इन क्षेत्रों में अन्य एक्सपर्ट्स के साथ पहुंची थीं। उन्होंने पाया कि इस बात के स्पष्ट जानकारी थी कि कुछ बंधकों के साथ बलात्कार किया गया है। उन्होंने पाया कि यह भी माना जा रहा है कि ऐसी हिंसा उन लोगों के साथ अब तक जारी है, जो बंधक बने हुए हैं। खास बात है कि इजरायल ने हमास पर 7 अक्टूबर को बलात्कार और यौन हिंसा के भी आरोप लगाए थे। वहीं, इन मामलों पर धीमी प्रतिक्रिया देने के लिए यूएन को भी खासी आलोचना का सामना करना पड़ा था। रिपोर्ट में कहा गया है, गाजा क्षेत्र में हमास और अन्य सशस्त्र बलों की तरफ से आम जनता और सैन्य के खिलाफ हुए हमलों के संदर्भ में मिशन की टीम को पता चला है कि यहां यह मानने का आधार है कि 7 अक्टूबर को कई स्थानों पर रेप और गैंगरेप समेत संघर्ष संबंधित यौन हिंसा हुई है।रिपोर्ट में कहा गया है कि ये घटनाएं तीन जगहों पर हुई हैं। इनमें नोवा म्यूजिक फेस्टिवल, रोड 232 और किब्बूत्ज रीम शामिल है। रिपोर्ट में जानकारी दी गई है, इनमें से अधिकांश घटनाओं में पीड़ितों के साथ पहले बलात्कार किया गया और बाद में उन्हें मार दिया गया।

ईरान ने तेहरान-मास्को अंतरिक्ष सहयोग के बारे में अमेरिकी दावों को किया खारिज

तेहरान, । ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने मॉस्को के साथ तेहरान के अंतरिक्ष सहयोग के बारे में अमेरिकी अधिकारियों के दावों को आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया। कनानी अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर के दावों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। मिलर ने रूस द्वारा हाल ही में ईरानी उपग्रह के प्रक्षेपण को दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग एक और उदाहरण बताया था। इसे उन्होंने यूक्रेन, ईरान के पड़ोसियों व अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए खतरा कहा था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोमवार को तेहरान में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि ईरान और रूस के बीच रक्षा और सैन्य सहयोग अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियमों के तहत दोनों देशों के सामान्य हितों पर आधारित है। कनानी ने जोर देकर कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय नियमों और कानूनों के तहत सहयोग दोनों देशों का अधिकार है। हम अमेरिकी अधिकारियों के आधारहीन दावों को खारिज करते हैं।' उन्होंने कहा कि रूस के साथ हमारा सहयोग किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ नहीं है। गौरतलब है कि ईरान ने गुरुवार को पूर्वी रूस में रूस के सोयुज रॉकेट प्रक्षेपण के माध्यम से पार्स-1 नामक अपने उपग्रह को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया।

भारत का पुनरुत्थान कायम रहने वाला है : वरिष्ठ अधिवक्ता ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में कहा

वाशिंगटन, । उच्चतम न्यायालय के एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का पुनरुत्थान कायम रहने वाला है और देश यहां से पीछे नहीं हटेगा क्योंकि इसका उभार भूराजनीति, धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सहित कई कारकों का परिणाम रहा है। उन्होंने कहा, 'सच्चाई यह है कि सत्तर, अस्सी और नब्बे के दशक की पीढ़ी भारत को एक रोमांचक कहानी के रूप में देख रही है और अब वे इसका हिस्सा बनना चाहते हैं, जो स्वागत योग्य है। यह शानदार है।' वरिष्ठ अधिवक्ता और लेखक जे. साई दीपक ने 'स्टैनफोर्ड इंडिया डायलॉग-द लीडर्स ऑफ टुमॉरो' में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, 'भारत का पुनरुत्थान कायम रहने वाला है और मुझे लगता है कि देश यहां से पीछे नहीं हटेगा' स्टैनफोर्ड इंडिया पॉलिसी एंड इकोनॉमिक्स क्लब (एसआईपीईसी) ने मोटवानी जडेजा फाउंडेशन के साथ साझेदारी में शनिवार को एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया था। कार्यक्रम में दीपक ने कहा, 'मुझे खुशी इस बात की है कि ज्यादा से ज्यादा लोग लिखने के काम में रुचि रखते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि आप सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं या नहीं। अच्छी बात यह है कि लिखने वाले लोग मौजूद हैं और तथ्य है कि इन्हें पिछले आधे दशक में शानदार सफलता मिली है।'

विज्ञान का चमत्कार, अब दुनिया में बच्?चे अपंग पैदा नहीं होंगे

लंदन । साइंस की दुनिया में फिर चमत्कार हुआ है। अक्सर सुनाने में आता हैं कि कई बच्चे जब पैदा होते हैं, तब उनके अंग पूरे विकसित नहीं होते। किसी बच्चे की आंखें नहीं खुलतीं, तब किसी का सिर आधा अधूरा बना रहता है। किसी के फेफड़े और किडनी पूरी तरह काम नहीं करते हैं। अब ऐसी जेनेटिक बीमारि?यों का इलाज की उम्मीद जगा गई है। वैज्ञानिकों ने पहली बार गर्भ में पल रहे शिशु के अंग लैब में तैयार करने की बात कही है। उनका दावा है कि उन्हें कुछ ऐसा फार्मूला मिला है, जिससे प्रेग्नेंसी के अंतिम दिनों में वे शिशुओं के अंगों और कोशिकाओं को विकसित कर सकते हैं। अजन्मे शिशुओं की स्टेम कोशिकाओं से मिनी अंग विकसित किए जा सकते है। अगर ये कामयाब रहा, तब दुनिया में बच्चे अपंग पैदा नहीं होंगे। क्योंकि गर्भ में ही उनके अंगों को विकसित किया जा सकेगा। दुनिया में हर साल लाखों बच्चे गर्भ में विकसित हुई बीमारी के साथ पैदा होते हैं। सबसे ज्यादा डायाफाम हर्निया के चांस होते है, जिसमें पेट के सारे अंग अपनी जगह से खिसककर छाती में चले जाते हैं। दूसरी दिक्कत सिस्टिक फाइब्रोसिस की होती है, इसमें कुछ ग्रंथियों में से असामान्य रूप से गाढ़े पदार्थ का रिसाव होने लगता है, जो फेफड़ों और पाचन तंत्र सहित कई अंगों को नुकसान पहुंचाता है। इस तरह की जेनेटिक बीमारी सिस्टिक किडनी डिसीज है। इसमें फ्लूड से भरी थैली यानी सिस्ट बन जाते हैं, जो किडनी के लिए गंभीर समस्याएं पैदा करते हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि इसतरह के बीमारियों को नए फार्मूले के द्वारा ठीक किया जा सकेगा। आमतौर पर प्रेग्नेंसी के 22वें हफ्ते में भ्रूण के साथ छेड़छाड़ करना गैरकानूनी होता है। इससे बच्चे को दिक्कत हो सकती है। इसीलिए जब तक बच्चे को कोई गंभीर बीमारी न हो, इन हफ्तों में डॉक्टर सर्जरी का खतरा मोल नहीं लेते। लेकिन विशेषज्ञों दावा है कि अब वे एमनियोटिक थैली में तैरती कोशिकाओं से छोटे अंग विकसित कर सकते हैं, वहां भी बच्चे को छुए बिना। एमनियोटिक द्रव भ्रूण द्वारा निर्मित होता है और गर्भ में बच्चे को घेरे रहता है। यह द्रव बच्चे के शरीर से बहता रहता है और कोशिकाओं तक डीएनए लेकर जाता है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन की डॉ. मटिया गेरली ने कहा, नई रिसर्च हमें बच्चे को बिना छुए, उसके अंगों को ठीक करने की राह में आगे बढ़ रहे है। यह हमें आनुवंशिक बीमारियों के बारे में और अधिक सिखा सकती है। हम बेहतर तरीके से जान सकते हैं कि बच्चों में होने वाली जेनेटिक बीमारियों से कैसे निपटा जाए।

अर्जेंटीना में सरकारी स्वामित्व वाली न्यूज एजेंसी टीलेम के बंद होने पर प्रदर्शन करते हुए उसके कर्मचारी।

कमला हैरिस ने इजरायली वॉर कैबिनेट सदस्य से कहा युद्धविराम की कार्रवाई में तेजी लाएं

वाशिंगटन। अमेरिका की वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस ने इजराइल के कैबिनेट सदस्यों से मुलाकात कर सीजफाइयर की कार्रवाई में तेजी लाने को कहा है। उन्होंने फिलिस्तीनी नागरिकों को सभी प्रकार की मानवीय सहायता सुनिश्चित किए जाने का भी आग्रह किया। इजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री और उप-प्रधानमंत्री बेनी गैंट्ज़ के साथ हैरिस की मुलाकात सोमवार को हुई जिसमें उन्होंने इजरायल और हमास के बीच तत्काल युद्धविराम के लिए आह्वान किया। व्हाइट हाउस द्वारा जारी बैठक के एक रीडआउट में कहा गया है, 'उपराष्ट्रपति ने बंधक समझौते को हासिल करने की तात्कालिकता पर चर्चा की और बंधक वार्ता के लिए इज़राइल के दृष्टिकोण का स्वागत किया।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने हमास से शर्तों को स्वीकार करने का आह्वान किया, जिसके तहत बंधकों की रिहाई के बाद तत्काल छह सप्ताह का युद्धविराम होगा।' रीडआउट में कहा गया है कि हैरिस ने 'गाजा में मानवीय स्थितियों और उत्तरी गाजा में एक सहायता काफिले के आसपास हाल ही में हुई भीषण त्रासदी के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त की।' इस घटना में एक सहायता काफिले से भोजन प्राप्त करने की कोशिश कर रहे कई फिलिस्तीनियों पर हमला हुआ था जिसमें सौ से ज्यादा लोग मारे गए। जब से इजराइल ने गाजा में अपना आक्रमण शुरू किया है, तब से फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत की संख्या 30,000 से अधिक हो गई है। इज़रायली सेना ने रविवार को कहा था मारे गए लोगों में से अधिकांश की मौत भगदड़ से हुई, जबकि फिलिस्तीन द्वारा संचालित स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि जिन लोगों को अस्पतालों में भेजा गया था, उन्हें गोली मार दी गई। रीडआउट में आगे कहा गया है कि गैंट्ज़ के साथ बैठक के दौरान हैरिस ने 'इजरायल से गाजा में मानवीय सहायता के प्रवाह को बढ़ाने और जरूरतमंद लोगों तक इसका सुरक्षित वितरण सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के सहयोग से अतिरिक्त उपाय करने का आग्रह किया।'

मालदीव का नया दांव-पहले भारतीय सेना को बाहर किया फिर चीन से कर लिया सैन्य समझौता

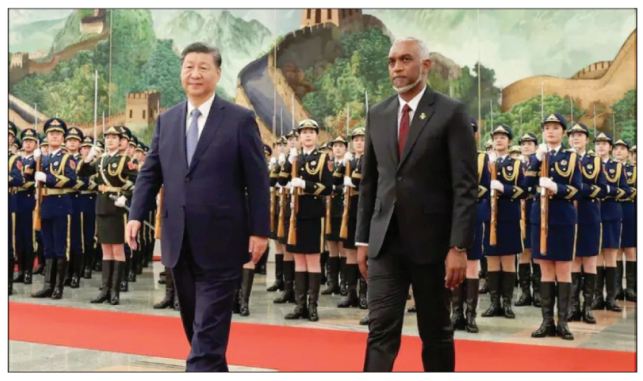

माले (एजेंसी)। कई बार अपने मुंह की खा चुका मालदीव ने एक बार फिर भारत विरोधी कदम उठाया है। इस बार मालदीव ने पहले भारतीय सेना को बाहर किया फिर चीन के साथ सैन्य समझौता कर लिया। बता दें कि पिछले साल नवंबर में मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में कुछ तनाव आ गया था। व्यापक रूप से चीन समर्थक नेता के रूप में देखे जाने वाले मुइज्जू ने राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद कहा कि वह भारतीय सैन्यकर्मियों को अपने देश से बाहर निकालने के अपने चुनावी वादे को निभाएंगे। मुइज्जू ने पिछले साल सितंबर में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में भारत के मित्र माने जाने वाले तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हरा दिया था।

भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि तकनीकी विशेषज्ञों की उसकी पहली असैन्य टीम मालदीव में एक उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर का संचालन करने वाले सैन्यकर्मियों की जगह लेने वहां पहुंच गई है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अपने देश से भारतीय सैन्यकर्मियों के पहले समूह की वापसी के लिए 10 मार्च की समयसीमा तय की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर को संचालित करने के लिए तकनीकी कर्मियों की पहली टीम मालदीव पहुंच गई है। यह हेलीकॉप्टर को संचालित करने वाले मौजूदा कर्मियों का स्थान लेगी।'' भारतीय सैन्यकर्मियों की वापसी से संबंधित मुद्दे के समाधान के लिए गठित उच्च-स्तरीय कोर समूह की दूसरी बैठक के बाद, मालदीव के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत 10 मई तक दो चरणों में अपने सभी सैन्यकर्मियों को हटा लेगा। कोर समूह की दूसरी बैठक दो फरवरी को दिल्ली में हुई।

चीन ने सोमवार को मालदीव के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त सैन्य सहायता प्रदान करने संबंधी रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव से भारतीय सैन्य कर्मियों को बाहर करने के लिए डेडलाइन तय की है। एक दिन पहले मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए चीन के अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग कार्यालय के उप निदेशक मेजर जनरल झांग बाओकुन से मुलाकात की। मालदीव के रक्षा मंत्रालय ने अपने एक्स हैंडल पर बताया कि मौमून और मेजर जनरल बाओकुन ने मालदीव गणराज्य को मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए चीन के सैन्य सहायता के प्रावधान पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। बता दें कि मालदीव ने ताजा रक्षा सहयोग समझौते का अधिक जानकारी नहीं दी है। लेकिन यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब 4500 टन वजनी हाई-टेक्नोलॉजी से लैस चीन का जासूसी जहाज मालदीव के तट से रवाना हो गया है।

इस बीच बताया कि चीन ने मालदीव को 12 ईको-फ्रेंडली एम्बुलेंस भी गिफ्ट में दी हैं। रविवार को स्वास्थ्य मंत्रालय में आयोजित एक समारोह में, मालदीव में चीनी राजदूत वांग लिक्सिन ने मालदीव को एम्बुलेंस का उपहार देने वाला पत्र प्रस्तुत किया। इससे पहले आधिकारिक रूप से जियांग यांग हांग श्री नामक यह चीनी जहाज ने ''कर्मियों को बदलने और आपूर्ति के लिए' के लिए बंदरगाह पर लंगर डाला था। मालदीव ने चीनी जहाज जियांग यांग होंग 03 को अपने कर्मियों के रोटेशन और लॉजिस्टिक एक्सचेंज के लिए माले बंदरगाह पर ठहरने की अनुमति दी थी। इसके कुछ दिनों बाद चीनी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने मालदीन की यात्री की है। पांच जनवरी को श्रीलंका ने जियांग यांग हांग श्री के प्रवेश को अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा था कि उसने अपनी समुद्री सीमा में विदेशी अनुसंधन जहाजों के प्रवेश पर एक साल के लिए रोक लगाने की घोषणा की है। भारत ने अपने पड़ोस में चीन के अनुसंधान जहाजों के लंगर डालने पर चिंता प्रकट की थी। संयोग से यह चीनी जहाज भारत-मालदीव-श्रीलंका त्रिपक्षीय 'दोस्ती-16' अभ्यास के स्थल के समीप ही था। यह अभ्यास 22 फरवरी और 25 फरवरी के बीच हुआ था।

अबॉर्शन का संवैधानिक अधिकार देने वाला दुनिया का पहला देश बना फ्रांस

पेरिस (एजेंसी)। अबॉर्शन का संवैधानिक अधिकार देने वाला दुनिया का पहला देश फ्रांस बन गया है। फ्रांस के सांसदों ने सोमवार को संसद के संयुक्त सत्र के दौरान देश में गर्भपात को महिलाओं का संवैधानिक अधिकार बनाने संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी। विधेयक पर मतदान हुआ और इसके पक्ष में 780 जबकि विरोध में 72 वोट पड़े। प्रधान मंत्री गेब्रियल अटल ने मतदान से पहले सांसदों से कहा, हम सभी महिलाओं को एक संदेश भेज रहे हैं- आपका शरीर आपका है और कोई भी आपके लिए निर्णय नहीं ले सकता।फ्रांस में 1974 के कानून के बाद से महिलाओं को गर्भपात का कानूनी अधिकार प्राप्त है जिसकी उस समय कई लोगों ने कड़ी आलोचना की थी। महिला अधिकार कार्यकर्ताओं ने विधेयक को मंजूरी मिलने पर खुशी जताई और इस कदम की सराहना की। संसद के दोनों सदन नेशनल असेंबली और सीनेट पहले ही फ्रांसीसी संविधान के अनुच्छेद 34 में संशोधन के लिए एक विधेयक को मंजूरी दे चुके हैं ताकि महिलाओं को गर्भपात के अधिकार की गारंटी दी जा सके। जब मतदान के परिणाम की घोषणा एक विशाल स्क्रीन पर की गई तो पृष्ठभूमि में एफिल टॉवर चमक रहा था और माईबॉडीमायचॉइस संदेश प्रदर्शित हो रहा था, इसलिए मध्य पेरिस में एकत्र हुए गर्भपात अधिकार कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई और तालियां बजाईं। संयुक्त राज्य अमेरिका और कई अन्य देशों की तुलना में फ्रांस में गर्भपात के अधिकार को अधिक व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लगभग 80प्र. फ्रांसीसी लोग इस तथ्य का समर्थन करते हैं कि गर्भपात कानूनी है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को दी क्लीनचिट... चुनाव लड़ने का रास्ता हुआ साफ

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर लगाए प्रतिबंध को रद्द कर दिया। कोलराडो के टॉप कोर्ट ने 14वें संविधान संशोधन के तहत ट्रंप को चुनाव लड़ने से रोक दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राज्य अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर गया है। कोर्ट ने कैपिटल दंगे के लिए ट्रंप को जवाबदेह ठहराने के प्रयासों को खारिज कर दिया। इसके बाद अब ट्रंप का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है। ट्रंप ने इस फैसले को अमेरिका के लिए बड़ी जीत करार दिया है।

जज ने सर्वसम्मति से लोअर कोर्ट के उस फैसले को पलट दिया कि ट्रंप को छह जनवरी, 2021, कैपिटल दंगा मामले में उनकी कथित भूमिका के कारण सार्वजनिक पद धारण करने से अयोग्य घोषित किया था। कोलोराडो के सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी तरह के पहले फैसले में कहा था कि प्रावधान, धारा 3, ट्रंप पर लागू की जा सकती है। ट्रंप के वकीलों ने दलील दी कि छह जनवरी का दंगा विद्रोह नहीं था और अगर ऐसा था भी, तब ट्रंप दंगाइयों में शामिल नहीं हुए थे।

जिनपिंग के खतरनाक इरादे, चीन ने 7 फीसदी से ज्यादा बढ़ाया रक्षा बजट

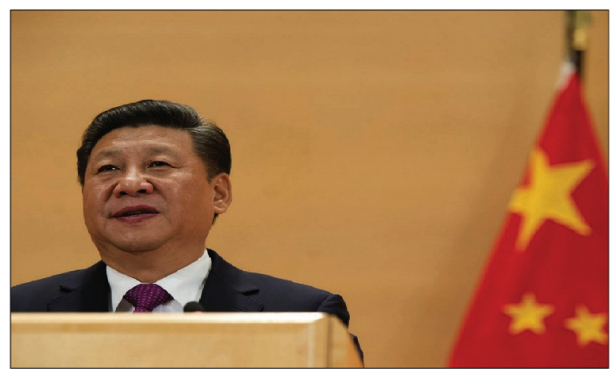

इस्लामाबाद (एजेंसी)। चीन इस साल अपने डिफेंस बजट में 7.2त्न का इजाफा किया है। ये आंकड़ा पिछले वर्ष के बराबर है। लेकिन सरकार की आर्थिक वृद्धि की भविष्यवाणी से अधिक है। बजट में सेना पर 1.67 ट्रिलियन युआन (230.60 अरब डॉलर) खर्च का अनुमान लगाया गया है। अमेरिका चीन के रक्षा बजट पर कड़ी नजर रखता है। ताइवान पर हाल ही में बढ़े तनाव को देखते हुए बीजिंग के रणनीतिक लक्ष्यों और उसके सैन्य बलों की वृद्धि को लेकर अमेरिका पहले से ही चिंतित हैं। चीन ने कहा कि वो ताइवान की स्वतंत्रता और बाहरी हस्तक्षेप के उद्देश्य से अलगाववादी गतिविधियों का दृढ़ता से विरोध करेगा। पिछली रिपोर्टों में शांतिपूर्ण पुनर्मिलन के उल्लेख से परे अन्य रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि चीन पुनर्मिलन के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में दृढ़ रहेगा।

इस वर्ष सैन्य खर्च में वृद्धि एकल-अंकीय वृद्धि के लगातार नौवें वर्ष का प्रतिनिधित्व करती है। पिछले वर्षों की तरह, खर्च के किसी भी ब्यौरे के बिना, केवल कुल राशि और वृद्धि का प्रतिशत प्रदान किया गया था। प्रधानमंत्री ली कियांग की पहली कार्य रिपोर्ट मंगलवार को बीजिंग में अपनी वार्षिक बैठक के दौरान चीन की रबर-स्टैम्प संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) द्वारा सुनी जानी है। रॉयटर्स द्वारा देखी गई एक आधिकारिक कार्य रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने 2024 के लिए लगभग 5प्र. वार्षिक आर्थिक विकास लक्ष्य स्थापित किया है, जो पिछले वर्ष के एजेंडे के अनुरूप है।

बता दें कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग के 2012 में सत्ता में आने के बाद से बीते वर्षों में रक्षा खर्च बढ़ा है। अमेरिका के बाद चीन रक्षा बजट पर खर्च करने के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

पृथ्वी को गर्म होने से रोकने उपाय बताया वैज्ञानिकों ने

-नहीं आएंगे बहुत सारे अकाल और बाढ़

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अगले कुछ ही सालों में धरती का तपमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा। इसके उम्मीद से ज्यादा ही गंभीर नतीजे देखने को मिलेंगे जिसके लिए मानव जाति और शायद पृथ्वी भी तैयार नहीं है। यह कहना है वैज्ञानिकों का।

ताजा अध्ययन में साइंटिस्ट ने ऐसा समाधान सुझाया है जिससे पृथ्वी को अकाल, हिमयुग और बाढ़ आदि से बचाया जा सकेगा। ऐसा नहीं होने पर दुनिया में लाखों लोग केवल अकाल से ही मरने लगेंगे। वैज्ञानिक यह कोशिश कर रहे हैं कि पृथ्वी को किसी तरह से और ज्यादा गर्म होने से रोका जा सके। अब कुछ अमेरिकी वैज्ञानिकों ने ऐसा करने का नया उपाय खोज निकला है जिसे अपनाने से पृथ्वी के बढ़ते तापमान को रोका जा सकेगा। वैज्ञानिकों का यह तक दावा है कि केवल यही उपाय ही तापमान घटाने के लिए काफी होगा। यदि उच्च वायुमंडल में मौजूद पानी की वाष्पों को सुखा दिया जाए तो गर्मी को पृथ्वी से बाहर निकलने का मौका मिल जाएगा। इससे पृथ्वी का तापमान कम हो जाएगा और वह ठंडी हो जाएगी।

रिपोर्ट में ऐसा करने के लिए वैज्ञानिकों ने वायुमंडल के ऊपरी हिस्से में बर्फ फेंकने का सुझाव दिया है। वैज्ञानिकों ने यह भी माना हा कि यह काम खतरे से खाली नहीं है, फिर एक अच्छा विकल्प हो सकता है। उनका कहना है कि पृथ्वी सतह से 17 किलोमीटर की ऊंचाई पर खास विमानों से अगर बर्फ के कण फैला दिए जाएं तो इससे वहां की वाष्प ठंडी हो जाएगी, पर बड़ा सवाल यह है कि इसके लिए कितनी बर्फ की जरूरत होगी।

इस सवाल का जवाब भी वैज्ञानिकों ने दिया है कि उन्होंने कहा कि हर सप्ताह हवा में दो टन के बर्फ के कण वायुमंडल के इस हिससे में छोड़ने होंगे और ऐसा करने से तापमान 5 डिग्री तक कम हो सकता है। इतना ही नहीं उनका तो यहां तक कहना है कि इससे प्रदूषण तक कम हो जाएगा। बता दें कि दुनिया अब बहुत तेजी से ऐसे दौर में जा रही है जहां उसने चरम मौसम की घटनाएं बहुत ज्यादा और बार-बार देखने को मिलने लगेंगी।